वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 321 | मंगलवार 19 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गोविंद देव जी में फाग के रंग...

भक्त खेलेंगे गजानन के संग होली, लोक कलाकार देंगे भजनों की प्रस्तुति

मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर में महंत कैलाश शर्मा के सान्निध्य में भगवान गणेशजी को केसरिया की नई पोशाक और साफा धारण करवाया जाएगा। गणेशजी महाराज शाम 5 बजे भक्तों के संग गुलाल, फूल और गुलाल गोटे से होली खेलते नजर आएंगे।

जयपुर. कासं

शहर के गणेश मंदिरों में 20 मार्च, बुधवार को फागोत्सव का आयोजन होगा। मोती डूंगरी गणेशजी, नहर के गणेशजी, परकोटा गणेश जी समेत अन्य गणेश मंदिरों में भक्त गणपति के संग होली खेलेंगे। इस मौके पर पर प्रथम पूज्य का अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण करवाकर गुलाल व पिचकारियों से झांकी सजाई जाएगी। इस दिन बुध पुष्य नक्षत्र होने से सुबह गणेशजी की पुष्य नक्षत्र अभिषेक होगा। मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर में महंत कैलाश शर्मा के सान्निध्य में भगवान गणेशजी को केसरिया की नई पोशाक और साफा धारण करवाया जाएगा। गणेशजी महाराज शाम 5 बजे भक्तों के संग गुलाल, फूल और गुलाल गोटे से होली खेलते नजर आएंगे। शाम 6 बजे से मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। फाग उत्सव में शेखावाटी के लोक कलाकार डफ और चंग की थाप पर अपनी प्रस्तुति से गजानन को रिझाएंगे। ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित प्राचीन दाहिनी सूंड व दक्षिणमुखी नहर के गणेशजी महाराज के मंदिर में फागोत्सव मनाया जाएगा। सुबह मंगला झांकी के साथ ही गणेशजी महाराज के गुलाल, ढप-चंग, पिचकारियों से सजी फागुणिया झांकी के दर्शन होंगे। मंदिर महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में दोपहर 2 बजे से कलाकार लोक नृत्यों व गायन से गणेशजी महाराज को रिझाएंगे।

पहली बार के मतदाताओं और बुजुर्ग व विशेष योग्यजन पर फोकस

मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने मीडिया से संवाद के दौरान बताया कि आओ बूथ चलो अभियान व वीएचए ऐप सहित अन्य प्रयासों के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य है, जिसके लिए 1950 टोल फ्री नंबर भी है।

जयपुर. कासं

पिछले लोकसभा चुनाव में मतदान करीब 67 फीसदी हुआ, जिसे विधानसभा चुनाव-2023 के 74.62 फीसदी से पार ले जाने के लिए मिशन-75 राज्य निर्वाचन टीम की प्राथमिकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शत-प्रतिशत व शांतिपूर्ण मतदान के लिए रविवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, जिलों के निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षकों की बैठक ली, वहीं प्रदेशभर में लगातार दूसरे रविवार को मतदाताओं को बूथ तक लाने का प्रयास हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने मीडिया से संवाद के दौरान बताया कि आओ बूथ चलो अभियान व वीएचए ऐप सहित अन्य प्रयासों के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य है, जिसके लिए 1950 टोल फ्री नंबर भी है।

वैशाली नगर जैन मंदिर पंचकल्याणक महोत्सव के पात्रों का किया सम्मान

जयकारों के बीच की सौधर्म इन्द्र इन्द्राणी की गोद भराई

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रथम तल पर प्रतिष्ठित होने जा रहे नव निर्मित जिनालय के 27 मार्च से 1 अप्रैल तक आयोजित होने वाले जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पात्रों का राजस्थान जैन सभा सहित अन्य संस्थाओं एवं समाज बन्धुओं की ओर से सम्मान एवं गोद भराई की गई। सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने बताया कि भट्टारक जी की नसियां में आयोजित समारोह में पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव के सौधर्म इंद्र प्रवीण-प्रिया बडजात्या, प्रतीक जैन, मंजू शाह, सुनीता झाँझरी, निशा बडजात्या, रेशु जैन, अनीता जैन सहित अन्य इन्द्र - इन्द्राणियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर धार्मिक विधि विधान के साथ मंत्रोच्चार करते हुए जयकारों के बीच गोले एवं पतासों से गोद भराई की गई। राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप जैन, अनिल छाबडा सहित संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, रचना बैद, जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की अध्यक्ष डॉ शीला जैन,राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश मंत्री भारत भूषण जैन,अमन जैन कोटखावदा ने खोपरे का गोला, पतासों से गोद भराई की। इन्द्र - इन्द्राणियों को माला, दुपट्टा व प्रतीक चिह्न भेट कर सम्मान किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिला मण्डलों की सदस्याएं भी शामिल हुई।

अष्टानिका में सिद्ध चक्र विधान

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। शांतिनाथ जिनालय सर्वोदय कॉलोनी में 9 दिन का सिद्ध चक्र विधान किया जा रहा है, उसमें रोज सुबह अभिषेक शांति धारा वह नित्य नियम पूजा के साथ विधान 60 लोग कर रहे हैं विधान की व्यवस्था अभय जैन, धन लुहाडिया संभाल रहे हैं,। रेनू पाटनी ने बताया कि मधु जैन के नेतृत्व में सांस्कृतिक प्रोग्राम किए जा रहे हैं, जिसमें सांयकाल आरती, परिवार द्वारा लाई जाती है । सांस्कृतिक प्रोग्राम में जैन हाउजी, खुला प्रश्न मंच, एक शाम बालिकाओं के नाम, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता धार्मिक अंताक्षरी कराई जाएगी। कॉलोनी के सभी लोग बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान मंगल यात्रा का किया गया स्वागत

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा निकाली गई मंगल कलश यात्रा विभिन्न स्थानों से गुजरती हुई किसान एग्री मार्ट धानमंडी पहुची में पहुंची तो वहां पर भाजपा नेत्री किरण मेघवाल भाजपा कार्यकर्ता अशोक सीवर के प्रतिष्ठान आगे स्वागत किया गया। अशोक सीवर ने बताया कि ज्योति जागृति संस्थान द्वारा शुरू होने वाली राम कथा के लिए आज कलश यात्रा का आयोजन किया गया है। भाजपा नेत्री किरण मेघवाल ने बताया की बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपने सिर पर कलश धारण किया व पुरुष श्रद्धालू राजस्थानी साफे में नजर आए, श्याम मन्दिर से शुरू हुई कलश यात्रा मार्केट के सभी मुख्य मार्गो से होते हुऐ वापिस नई धान मंडी से श्याम मन्दिर कथा स्थल पर सम्पन्न हुई। भाजपा नेता मनोज कुमार सोनी ने बताया की संस्थान के संतों व साध्वियों का स्वागत सभी मार्केट के धर्मप्रेमियों द्वारा किया गया। भाजपा नेता मनोज कुमार सोनी ने बताया की दिव्य ज्योति जागृति संस्था द्वारा आयोजित श्री राम कथामृत की मंगल कलश यात्रा का धानमंडी मे किसान एग्री मार्ट व अन्य बहुत से स्थानों पर पहुंचने पर स्वागत कार्यक्रम कार्यक्रम में फूलो की वर्षा की गई मनोज सोनी ने बताया की स्थान स्थान पर जल सेवा का कार्यक्रम भी किए गए ओर धानमंडी में भाजपा नेत्री किरण मेघवाल के नेतृत्व में स्वागत किया व जल सेवा की गई। कार्यक्रम में मंडी के प्रबुद्ध जन अशोक विश्नोई, पार्षद मनोज मेघवाल, मुकेश खदरिया, सुरेंद्र बिहानी, गिरधारी सहारण, कमलेश स्वामी ,रुघवीर भाभू, जगदीश सोनी ,संतलाल नयोल, पवन योगी, आदि मौजूद रहे।

रोटरी कर्मयोगी सम्मान पुरस्कार से सम्मानित हुए कमल सचेती

जयपुर. शाबाश इंडिया। रविवार दिनांक 17 मार्च 2024 को रोटरी क्लब जयपुर द्वारा रोटरी भवन जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में कमल कुमार सचेती को रोटरी कर्मयोगी सम्मान से नवाजा गया। समाज सेवा के क्षेत्र में श्रेष्ठ सेवा एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्व का चयन एक निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है जिसके तहत रोटरी जिला 3056 के सभी क्लबो के माध्यम से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थी, जिसमें श्रेष्ठ प्रविष्टि का चयन एक कमेटी के द्वारा किया जाता है। उल्लेखनीय है कि कमल सचेती का चयन भी इसी प्रक्रिया के तहत किया गया। कार्यक्रम में रोटरी प्रांत 3056 के प्रांत पाल निर्मल कुनावत व सचिव दीपक सुखाड़िया के कर कमलों से एक प्रशस्ति पत्र तथा 11000 रुपए की सम्मान राशि भेंट की गई। इस अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर के अध्यक्ष उजास जैन, सचिव पीयूष जैन तथा पूर्व अध्यक्ष हरेश पाटनी ने भी चयन प्रक्रिया को समझाते हुए कमल सचेती के चयन एवं उनके व्यक्तित्व की भरपूर प्रशंसा की। प्रांतपाल निर्मल कुनावत ने कमल सचेती को एक प्रेरणादाई व सेवा भावी व्यक्तित्व बताया।

स्वर्णकार समाज की महिलाओं का फागोत्सव सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। मेढ क्षत्रीय स्वर्णकार समाज की महिलाओं ने फाल्गुन की नवमी सोमवार को कालीमाई रोड स्थित स्वर्णकार धर्मशाला में फाग महोत्सव का आयोजन किया। महिलाओं ने फाग गीतों पर भाव विभोर होकर झूमते एवं नृत्य करते हुए तथा भजन गाकर ठाकुर जी को रिझाया। महिलाओं ने फूल और गुलाल से होली भी खिलाई। छोटे बच्चों ने कृष्ण और राधा का रूप धारण कर सबका मन मोह लिया। इससे पूर्व कार्यक्रम में महिलाओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था अध्यक्ष गीता सोनी सहित ओमा सोनी, आशा जवडा, कान्ता सोनी, मीना गढ़वाल, गोमती गढ़वाल, कौशल गढ़वाल सहित समाज की सभी महिलाओं ने सायं आरती की। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

सिद्धचक्र मंडल विधान की पूर्णाहुति मंगलवार को

चांदखेड़ी. शाबाश इंडिया

आर्यिका रत्न 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में चल रहे सिद्धचक्र महामंडल विधान का मंगलवार को 1024 अर्घो के साथ सिद्ध भक्ति करते हुए समापन होगा। इसमें खानपुर एवं संपूर्ण हाडोती सहित जहाजपुर, जयपुर, शिवपुरी सहित आस पास के समीपवर्ती राज्य से भी भक्तजन पूजन लाभ ले रहें है। विधान में सम्मिलित सभी इंद्र इंद्राणियो ने भक्ति नृत्य के साथ एक एक करके मंडल पर अर्ध समर्पित किए। रोजाना शाम को 7 बजे होने वाली गुरुभक्ति में सभी श्रावक श्राविकाए उपस्थित रहे।

जैन सोशल ग्रुप सिद्धा ने होली की फुहार फूलों के साथ किया आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप सिद्धा के संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार सीमा पाटनी अध्यक्ष दिनेश नीलम काला एवं सचिव अंजन आकांक्षा जैन ने बताया कि फिल्मी तराना की बयार होली की फुहार फूलों के साथ का कार्यक्रम दिनांक 17 मार्च 2024 को किया। संस्था के उपाध्यक्ष सौरभ रतिका गोधा एवं सहसचिव सुरेंद्र संगीता छाबड़ा ने बताया कि रतन बाग मैरिज गार्डन सिरसी रोड पर दिनांक 17 मार्च 2024 को दोपहर 3:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक गायिका साक्षी जैन की सुमधुर आवाज में फिल्मी तरानों की बयार के साथ हाउजी, गेम्स एवं फूलों की होली का कार्यक्रम मैं सिद्धा परिवार के सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया और होली से पूर्व फूलों की होली जमकर खेली फुल मस्ती के साथ आये हुई सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम के संयोजको सौरभ- रतिका गोधा,

राकेश- अचला रावंका, कमल-बबीता गंगवाल, विजय-संगीता सोगानी, राहुल - प्रीति सोगानी, विपिन-डिंपल पाटनी थे।

हार्दिक बधाई

साई तिरूपति विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री देवेन्द्र कुमार जैन को पीएचडी उपाधि प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई.
हम सभी आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं.

शुभेच्छु : डॉ. योगराज गोस्वामी, डॉ. गुरूचरण, डॉ. विकास कुमार, डॉ. एम के शर्मा, डॉ. दाधीच,डॉ. गोपाल सिंह, डॉ. एस के गुप्ता, वी.आई.एफ.टी.,वी.आई.एम.एस. समस्त परिवार एवं मित्रगण

वेद ज्ञान

अब समझें खुशी के महत्व को...

खुशी पाने के लिए मनुष्य यहां-वहां भटकता रहता है, जबकि खुशी उसके अंतर्मन में निहित है। दुर्भाग्यवश ज्यादातर लोग यह बात जानते हुए भी इससे अनजान बने रहते हैं। हमारी खुशी का सीधा संबंध संतोष-संतुष्टि से है और हमारा आंतरिक दृष्टिकोण ही हमारे अंदर सच्चे मायने में खुशी की भावना का अहसास कराता है। कुछ लोग यह सोचते रहते हैं कि अमुक वस्तु मिल जाए, तो उनका जीवन खुशियों से भर जाए, लेकिन जब उन्हें वह चीज मिल जाती है, तो भी वे खुश नहीं होते। असल में ऐसे व्यक्ति कभी खुश हो ही नहीं सकते, जो अपने वर्तमान से संतुष्ट न हों और हमेशा भविष्य में अपनी खुशियों की तलाश करते हैं। वर्तमान में वे एक की कामना करते हैं, तो भविष्य में दो-चार की। इसलिए वे कभी खुशी महसूस ही नहीं कर पाते हैं। कौन व्यक्ति तरक्की या कामयाबी नहीं चाहता, लेकिन अपने जीवन में खुश वही व्यक्ति रहता है, जो अपनी छोटी-छोटी सफलताओं पर गर्व करता है। जिस व्यक्ति को अपने वर्तमान में सफलता, पूर्व में अर्जित की गई सफलता से छोटी लगती है और वह भविष्य में और बड़ी सफलता की कामना करता है? वह कभी अपने कार्य से संतुष्ट नहीं हो पाता। इसलिए वह हमेशा खुशी से भी वंचित रहता है। जीवन में खुश रहने के लिए जरूरी है कि हम अपने जीवन से नीरस रंगों को दूर करके उसमें उजले रंग भरें। सफलता और असफलता हमारे जीवन का हिस्सा हैं। इसलिए सफलता मिलने पर व्यक्ति को न तो ज्यादा अभिमान करना चाहिए और न ही असफलता मिलने पर व्यक्ति को निराश होना चाहिए। दोनों ही स्थिति में मनुष्य को सामान्य बने रहना चाहिए। खुश रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि हमें नकारात्मक सोच को दूर करके सकारात्मक विचारों को अपने पास रखना चाहिए। सकारात्मक विचारों से हमें ऊर्जा मिलती है और इससे हम अपनी समस्याओं से निपट सकते हैं। जब हमें समस्याएं नहीं होंगी तो हम हमेशा खुश रहेंगे। यूं हमारी खुशी और हमारी उपलब्धियों के बीच सीधा कोई रिश्ता नहीं है। यानी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या और कहां हैं। सिर्फ हमारी सोच से ही हम खुशी को महसूस कर सकते हैं।

संपादकीय

नागरिकता छीनने का नहीं, बल्कि देने का कानून...

आखिरकार, लंबी चली जद्दोजेहद के बाद नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के नियम अधिसूचित कर दिए हैं। लोक सभा चुनाव के ठीक पहले इस कानून को अमल में लाना भाजपा की चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल इस कानून का इसलिए दुष्प्रचार करते रहे हैं कि इससे मुसलमानों की नागरिकता संकट में पड़ जाएगी जबकि इसमें देश के किसी भी धर्म से जुड़े नागरिक

की नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। हां, घुसपैठियों को जरूर नागरिकता सिद्ध नहीं होने पर बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। संसद और उसके बाहर ऐसे अनेक बौद्धिक आलोचक थे, जो प्रमाणित करने में लगे थे कि यह कानून आइडिया ऑफ इंडिया अर्थात संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है लेकिन यह संदेह जम्मू-कश्मीर से हटाई गई धारा-370 और 35-ए की तरह ही संवैधानिक है। इस कानून का मुख्य लक्ष्य धार्मिक आधार पर प्रताड़ितों, हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई, जिन्हें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से पलायन को मजबूर होना पड़ा है, को भारत में नागरिकता प्रदान करना है। पहले भी इन तीनों देशों के मुसलमानों को भारतीय नागरिकता दी जा चुकी है। जाहिर है कि यह कानून किसी धर्म या संप्रदाय के आधार पर भेदभाव से नहीं जुड़ा है। साफ है, यह कानून किसी की नागरिकता छीनने का नहीं, बल्कि देने का कानून है। यह विधेयक मूल रूप में 1955 के नागरिकता विधेयक में ही कुछ परिवर्तन करके अस्तित्व में लाया गया है। 1955 में यह कानून देश में दुखद विभाजन के कारण बनाया गया था। इस समय बड़ी संख्या में अलग-अलग धर्मों के लोग पाकिस्तान से भारत आए थे। इनमें हिन्दू, सिख. जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई थे। आजादी के बाद भारत ने धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश बनने का निर्णय लिया लेकिन पाकिस्तान ने खुद को इस्लामिक राष्ट्र घोषित कर दिया। पाक के संस्थापक एवं बंटवारे के दोषी मोहम्मद अली जिन्ना के प्रजातांत्रिक सिद्धांत तत्काल नेस्तनाबूद कर दिए गए। 1948 में जिन्ना की मौत के बाद पाकिस्तान पूरी तरह कट्टर मुस्लिम राष्ट्र में बदलता चला गया। नतीजतन, जो भी गैर-मुस्लिम समुदाय थे, उन्हें प्रताड़ित करने के साथ उनकी स्त्रियों के साथ दुराचार और धर्म परिवर्तन का सिलसिला तेज हो गया। ऐसे में ये पलायन कर भारत आने लगे। दरअसल, इन गैर-मुस्लिमों का भारत के अलावा कोई दूसरा ठिकाना इसलिए भी नहीं था कि पड़ोसी अफगानिस्तान भी कट्टर इस्लामिक देश बन गया था। 1955 तक करीब 45 लाख हिन्दू और सिख भागकर भारत आ गए थे। इनके दृष्टिगत नागरिकता निर्धारण विधेयक, 1955 बनाया गया था। 1971 में जब पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश बना तो इस दौरान हिन्दू समेत अन्य गैर-मुस्लिमों पर विकट अत्याचार हुए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आचार संहिता...

एक महीने से कुछ अधिक समय के भीतर देश में दूसरे सबसे लंबे आम चुनावों का सिलसिला आरंभ हो जाएगा। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में लोकतंत्र का बड़ा उत्सव होगा। भारत जैसे विशाल भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता वाले देश के लिए इस पंचवर्षीय आयोजन का पैमाना कभी कम नहीं था। 2024 के चुनाव का आकार अपने पूर्ववर्तियों को छोटा साबित कर देगा। सात चरणों में होने जा रहे आम चुनावों के लिए करीब 96.9 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। इसके साथ ही चार राज्यों के विधान सभा चुनाव भी होंगे। यह आंकड़ा देश की चुनावी कवायद को इस वर्ष अन्य बड़े लोकतांत्रिक देशों में होने जा रहे चुनावों की तुलना में बड़ा बनाने वाला है। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया में हाल ही में चुनाव संपन्न हुए। वहां करीब 20.4 करोड़ मतदाता हैं। अमेरिका जो दुनिया का सबसे ताकतवर लोकतांत्रिक देश है वहां करीब 16.8 करोड़ मतदाता हैं। भारत में कुल मतदाताओं में आधी संख्या महिलाओं की है। अनुमान के मुताबिक ही इन मतदाताओं में जो गरीब हैं वे प्रमुख राजनीतिक दलों के चुनाव प्रचार के निशाने पर हैं। इन चुनावों में युवाओं की अहम भूमिका होगी क्योंकि करीब 29 फीसदी मतदाता 18 से 29 वर्ष की आयु के हैं। एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि भारत में करीब दो लाख मतदाताओं की आयु 100 वर्ष से अधिक है। यह एक तथ्य है कि भारत इतने बड़े चुनावों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के जरिये अंजाम देने में कामयाब रहता आया है और हमारे ऊपर 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों की तरह मत पत्रों की हेराफेरी या चोरी जैसे कोई इल्जाम नहीं लगे। इस लिहाज से भारत का प्रदर्शन सराहनीय है। कुछ चिंता की बातें भी हैं और उनमें से प्रमुख है भारतीय निर्वाचन आयोग की आदर्श चुनाव आचार संहिता की निगरानी और उसे प्रभावी ढंग से लागू कराने की क्षमता। इस लिहाज से देखा जाए तो चुनाव प्रक्रिया को लंबा बनाना मसलन 1999 के 29 दिन से 2019 में 39 दिन और 2024 में उसे 44 दिन करना प्रमुख विपक्षी दलों के बीच विवाद का विषय है। चुनाव आयोग ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि कई चरणों में चुनाव कराना इसलिए आवश्यक है ताकि बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों को10 लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर तैनात किया जा सके। चुनावों को अंजाम देने के लिए चुनाव आयोग 1.5 करोड़ मतदानकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों की सेवाएं लेता है। चुनाव प्रचार अभियान की आवृत्ति और गहनता को देखते हुए यह यह उम्मीद करना कठिन है कि वह इस बात की प्रभावी निगरानी करे कि सभी दल आचार संहिता का पालन कर रहे हैं अथवा नहीं। चरणबद्ध मतदान भी सवाल पैदा करते हैं। प्रमुख आशंका यह है कि लंबी अवधि तक विस्तारित चुनाव सत्ताधारी दल को असंगत रूप से फायदा पहुंचाते हैं क्योंकि उसके पास सरकारी अधोसंरचना होती है जिसका वह चुनाव प्रचार में फायदा उठा सकता है। एक और विषय जिस पर अपर्याप्त ध्यान दिया गया है वह है टेलीविजन, वेबसाइट, सोशल मीडिया और फोन का प्रचार उपकरणों के रूप में इस्तेमाल। लंबे समय तक चलने वाले चुनावों में ऐसे आभासी प्रचार प्रतिस्पर्धी दलों को यह अवसर देते हैं कि वे उन इलाकों में भी अपने प्रचार को बढ़ा सके जहां चुनाव आयोग के निर्देशों के मुताबिक मतदान के 48 घंटे पहले प्रचार रोक दिया जाना चाहिए। अधिकांश दल चतुराईपूर्ण तरीके से इन प्रचार तकनीकों का इस्तेमाल करके प्रचार पर रोक को धता बताने की कोशिश करते हैं। ये वे चुनौतियां हैं जिनसे निर्वाचन आयोग को शीघ्र निपटने की आवश्यकता है।

जेएसजी अनंता ने मनाया ''होली के रंग अनंता के संग''

उदयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार दिनाँक 17 मार्च को जैन सोशल ग्रुप अनंता ने रोटरी बजाज भवन में होली मिलन कार्यक्रम ''होली के रंग अनंता के संग'' बहुत ही धूमधाम से मनाया जिसका आकर्षण था राधा कृष्ण के साथ मधुर संगीत में सभी सदस्यों द्वारा फूलों की होली खेलना। संस्था अध्यक्ष डा. शिल्पा नाहर ने बताया कि कार्यक्रम का आगाज दीप प्रज्वलन से व सामूहिक नवकार मंत्र से हुवा। स्वागत उद्बबोधन अध्यक्ष तथा शुरूआत संस्थापक अध्यक्ष मोहन बोहरा द्वारा होली की शुभकामनाएं से हुई। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी सदस्यों ने मंच पर गुलाल लगाकर, माला पहनाकर होली की शुभकामनाएं दी और जोक्स, गीत, डांस पर अपने परफॉरमेंस भी दिये। इस कार्यक्रम के कलाकार सभी अनंता के सदस्य थे। कार्यक्रम के सूत्रधार रमेश शाह, शशिकांत जैन, नितिन सिंघवी, तथा महेश नाहर थे। संयुक्त सचिव शशिकांत जैन ने बताया कि हँसी , खुशी व नाच के वातावरण मे सभी

दंपती सदस्यों को आकर्षक कार्ड पर लिखकर अति रोचक टाइटल दिये गये। कोषाध्यक्ष ललित कच्छारा ने सूचित किया कि कार्यक्रम में भूतपूर्व अध्यक्ष राकेश भाणावत,गजेंद्र जोधावत, प्रदीप बाबेल, विनोद पगारिया,तेज सिंह मोदी,जिनेन्द्र मेहता, विनोद चपलोत, डॉ. संपत कोठारी,रमेश वगेरिया आदि उपस्थित थे ।

अष्टठानिका महापर्व के अवसर पर अनंतानंत सिद्धों की भूमि शाश्वत भूमि तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी में होगी सिद्धो की महा आराधना

सिद्धचक्र महामंडल विधान प्रारंभ-छाबडा परिवार लालगोला

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया। सिद्धक्षेत्र तीर्थराज श्रीसम्मेद शिखरजी पावन भूमि पर श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान व विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन पूज्य पिता स्वर्गीय चिरंजी लाल छाबडा,माता स्वर्गीय भवरी देवी छाबडा के मंगल आशीर्वाद से 17 मार्च से 25 मार्च भगवान 1008 श्री आदिनाथ भगवान ,सिद्धायतन सम्मेदशिखर जी के दरबार में श्रावक श्रेष्ठी अरुण-संतोष छाबडा लालगोला निवासी, दिल्ली प्रवासी के द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु दिल्ली और लालगोला से सेकड़ो लोगो का दल पहुँचा जो सिद्ध की आराधना हेतु श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का महाआयोजन पूरी भक्ति और उत्साह के साथ इस विधान में भाग लेंगे ।सर्व प्रथम सौभाग्यमति महिला द्वारा घट यात्रा कर मंडप के पास पहुँच कर भूमि शुद्धि मंडप शुद्धि आदि कार्यक्रम पंडित जी के निर्देशन में हुवा इसके पश्चात सिद्धायतन में विराजमान 1008 आदि नाथ भगवान का प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा विधान पुण्यार्जक अरुण-दिग्विजय छाबडा को प्राप्त हुआ ।अभिषेक के बाद विश्व शांति प्रदायक 1008 सिद्धचक्र महामंडल की पूजा प्रारंभ हुई जिसमें पंडित कुमुद जैन ,अजमेर,के द्वारा एक एक मंत्र को शुद्धता के साथ वाचन कर एक एक कर अर्घ ओर श्री फल चढ़ाया इस विधान में क्षुल्लक 105 प्रज्ञानसागर जी महाराज बताया कि अर्घ समर्पण करने से मन मे एकाग्रता आती है।ओर ये सिद्धचक्र विधान सिद्ध फल देने वाला है जहां आपको सुख शांति स्वास्थ्य समृद्धि सफलता और पुण्य प्रसून के साथ परम्परा से मोक्ष का भी कारण भी बनेगा। **-कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा ने दी।**

सिद्ध चक्र महामंडल विधान महोत्सव का द्वितीय दिवस

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी सिटी रोड़ में फाल्गुन मास की अष्टमी से प्रारम्भ अष्टानिका पर्व के अंतर्गत अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव के दूसरे दिन बहुत भक्तिभाव से विधान की पूजन हुयी। कार्यक्रम संयोजक इंदर चंद पाटनी ने बताया की विधान के पूर्व प्रातःकाल श्रीमद देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। जिसका पुण्यार्जन विधान के सोधर्म इन्द्र आर. के. मार्बल परिवार, यज्ञनायक आनंद कुमार कनकलता बज एवं प्रति इंद्र निर्मल कुमार विजय कुमार विनय कुमार छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात विधान महोत्सव की पूजन प्रारंभ हुई इस विधान में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे उपाचार्य डॉक्टर किरण प्रकाश शास्त्री, अभिषेक भैया एवं रोहित भैया के मार्ग निर्देशन में विधान पूजन संपन्न कराई गई। इस अवसर पर आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र गंगवाल, मुनिसुव्रतनाथ पंचायत के अध्यक्ष विनोद पाटनी, मंत्री विनोद चौधरी, उपमंत्री इंदरचंद पाटनी, कोषाध्यक्ष संपत दगड़ा, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद गंगवाल, निर्मल कुमार छाबड़ा, ज्ञानचंद पाटनी, महेंद्र गंगवाल, नरेन्द्र कासलीवाल, नरेश दगडा, पंकज पहाडियां, सुभाष चौधरी, पवन लुहाडिया, नौरतमल पाटनी, सुशील काला, आनंद कुमार बज, सुमेर अजमेरा, राकेश पहाड़िया, कमल सेठी, दिनेश दगड़ा, संजय झांझरी, सुभाष गगंवाल के साथ सुनिता काला, सिंपल बाकलीवाल, मोना झांझरी, नीलू, नवरत्न दगडा, पुष्पा सेठी, रेखा झांझरी सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रहे। सांयकालीन महाआरती एवं सांस्कृतिक संध्या सांयकालीन महावीर महिला मंडल द्वारा महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। विधान संयोजक इंदरचंद पाटनी ने बताया कि विधान का समापन आगामी 25 मार्च को होगा साथ ही 25 मार्च को विश्व शांति महायज्ञ एवं श्री जी की शोभायात्रा के साथ अनेक कार्यक्रम संपन्न होंगे। पाटनी ने बताया की आज विधान में विनय पाठ, देव शास्त्र गुरु, आदिनाथ भगवान की पूजा, नवदेवता पूजन के बाद श्री सिद्ध चक्र विधान की पूजन की गयी। मंडल जी पर द्वितीय वलय के 16 अर्घ्य समर्पित किए गए। कल बुधवार के प्रति इन्द्र श्रीमती प्रेमलता देवी, प्रवीण कुमार, संजय, राजीव एवं गगंवाल परिवार तिलक ग्रुप होंगे।

श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज टोंक के रमेश छाबड़ा पुन: अध्यक्ष चुने गए

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज टोंक की एक मीटिंग का आयोजन रविवार को श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन नसिया तेरापंथियान चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में रखा गया। समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि मीटिंग में सर्व सम्मति से रमेश छाबड़ा को पुनः अध्यक्ष चुना गया ज्ञातव्य है कि रमेश छाबड़ा विगत दो वर्ष से अध्यक्ष पद पर बने हुए थे ।अध्यक्ष बनने पर सुरेंद्र जैन एडवोकेट, ताराचंद जैन, सूरजमल सोनी, धनराज सोनी, पदम चौधरी,पदम गोधा, रमेश चाचा, प्रदीप सोनी, देवराज काला, अशोक छाबड़ा, सतीश चौधरी, विनोद भोसा,पदम कासलीवाल, मनोज सोनी,वीरेंद्र जैन आदि ने माला पहनकर स्वागत किया चुनाव अधिकारी नरेश चौधरी राजेश अरिहंत सभाध्यक्ष रमेश काला चुनाव पर्यवेक्षक विक्रम जैन एडवोकेट अशोक जैन वेद्य के सानिध्य में चुनाव प्रक्रिया सकुशल संपन्न हुई नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश छाबड़ा को शपथ ग्रहण करवाई गई रमेश छाबड़ा ने उपस्थित सभी समाज जनों का आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद दिया इस अवसर पर सामूहिक भोज का भी आयोजन रखा गया। इधर सोमवार को श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर माणक चौक पुरानी टोंक में प्रातः भगवान चंद्र प्रभु का अभिषेक एवं रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ वृहद शांति धारा की गई तत्पश्चात नित्य नियम पूजा नव देवता पूजा 24 तीर्थंकर पूजा महावीर स्वामी पूजा चंद्र प्रभु भगवान की पूजा कर श्री जी को अर्ध्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए इस अवसर पर देवराज काला चेतन बिलासपुरिया पारस सोनी मनीष अशोक कमल शेखर आदि मौजूद थे।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की भावपुर्ण विनयांजलि सभा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

युवा परिषद मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष अशोक बिंदायका व महामंत्री पारस जैन बोहरा ने बताया कि शनिवार को आचार्य विद्यासागर महाराज को भाव पूर्ण वियांजलि सभा श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर जयपुर मे हुआ। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन महावीर बाकलीवाल द्वारा किया गया। सुप्रसिद्ध गायक द्वारा भक्तामर पाठ,विनयांजलि व जैन समाज के कई गण्यमान लोगो द्वारा द्वारा गुरुवर को विनयांजलि दी गई ' कार्यकम मे परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, युवा परिषद के परम शिरोमणि सरक्षक डॉ राजीव जैन, सतीश कासलीवाल व परिषद के परम सरक्षक सोभाग मल जैन, परिषद के पदाधिकारी रवि गोदिका,भानु प्रिया जैन,अमित बाकलीवाल रुचि सेठी मनोज जैन, रेणु गोदिका,लक्ष्मी जैन कामिनी बोहरा, लक्ष्य जैन,मिताली जैन, विकास जैन आदि सदस्य व जैन समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में पारस जैन बोहरा महामंत्री ने सभी लोगो का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विराट ने किया शिखर जी यात्रियों का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 150 यात्रियों का एक दल जैन धर्म के सर्वोच्च शाश्वत तीर्थ स्थल सम्मेद शिखरजी के लिए, प्रसिद्ध समाजसेवी हुकम जैन काका के नेतृत्व में रवाना हुआ ।कोटा की यात्री रानी जैन ने बताया कि सभी यात्रियों का दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विराट के अध्यक्ष बसंत जैन बैराठी, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश बडजात्या,एक्स फाउंडेशन के तरुण माथुर ,लायंस क्लब के विमल बज, युनिराज एल्यूमिनी फेडरेशन युनिराज के संजय झंवर, विराट ग्रुप की बबिता जैन आदि ने साफा माला पहना कर सम्मानित किया ' इस अवसर पर विराट ग्रुप के अध्यक्ष व श्री भारत वर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बसंत जैन ने बताया कि शिखर पर्वत से जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकर मोक्ष गए हैं' यह जैन धर्म का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल है फागुन मास के अंतिम आठ दिन में जैन धर्म के सबसे अष्टानिका पर्व पर सिद्ध चक्र विधानमंडल की पूजा सर्वश्रेष्ठ भक्ति का होता है यह यात्रा दल हर दिन सिद्ध चक्र विधानमंडल की पूजा भक्ति भाव से करेंगे। विराट ग्रुप की सचिव स्वग्रही माओ ने पर्वत का महत्व बताते कहा कि- एक बार बंदे जो कोई ताकि नर पशु गति नहीं होगी।

समस्या का जन्म कहाँ से हुआ-गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) में साधनारत गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में अष्टान्हिका महापर्व का दूसरा दिन भक्ति आराधना के साथ सानंद सम्पन्न हुआ। पूज्य गुरुमाँ का अनशन तप के पश्चात अनाज त्याग पूर्वक निरंतराय पारणा कराने का सौभाग्य सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ के व्रती आश्रम के व्रतियों ने प्राप्त किया। तत्पश्चात गुरूभक्त कैलाशचंद बडजात्या जस्सू का खेड़ा सपरिवार ने पूज्य गुरूमाँ के कर कमलों से मंगल कलश प्राप्त कर स्वयं को गौरवान्वित किया। इसी के साथ राजेन्द्र भौंच जयपुर, सीनू सौगानी चाकसू एवं युवराज जैन प्रतापनगर से. 5 जयपुर वालों गुरूमाँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए माताजी ने कहा कि - पानी में गिरने से किसी की जान नहीं जाती, जान तभी जाती हैं, जब तैरना नहीं आता। परिस्थितियाँ कभी समस्या नहीं बनती, समस्या तभी बनती है, जब हमें परिस्थितियों से निपटना नहीं आता। हर परिस्थिति में शान्त रहकर निर्णय लिया जाए तो जीवन अपने आप लोहे की तरह मजबूत बन जायेगा। क्योंकि लोहा ठंडा रहने पर ही मजबूत होता है, गर्म रहने पर तो लोहे को मनमाफिक आकार में ढाल दिया जाता है। इसी तरह मनुष्य भी ठंडे दिमाग से हर समस्या का समाधान निकाल सकता है।

20 मार्च, 2024 विश्व गौरया दिवस

आवश्यकता है गौरैया बचाओ अभियान की

एक समय था जब प्रातः काल गौरैया की चहचहाट कानों में सुनाई पड़ती थी और अत्यंत सुहावनी लगती थी। यह सामाजिक प्राणी हमारे घर आंगन की शोभा हुआ करता था। फुतीर्ली और हर समय चौकस रहने वाला यह पक्षी अब बहुत कम देखने को मिलता हैं। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत आज आवश्यकता है गौरैया बचाओ अभियान की। इसके संरक्षण का प्रमुख कारण यह है कि, यह पक्षी हमारे बच्चों और हमारे पारिवारिक जीवन में समाहित हैं। गौरैया की आवाज मनमोहक होती हैं और बच्चे इससे प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। पृथ्वी पर इस प्रकार के प्राचीन पक्षी प्रजाति का विलुप्ति की कगार पर होना हमारे लिए एक चिंता का विषय हैं। विदित है की विश्वभर में प्रतिवर्ष 20 मार्च को गौरैया दिवस मनाया जाता हैं। पहला गौरैया दिवस 2010 में मनाया गया। इसमें गौरैया के संरक्षण में जैव विविधता का व्यापक उद्देश्य भी शामिल है। इसकी शुरूआत भारत की नेचर फॉरएवर समिति द्वारा फ्रांस के एक समान उद्देश्य के फाउंडेशन और दुनिया भर के अन्य संगठनों के साथ मिलकर हुई हैं। इस अभियान में पक्षी संरक्षणवादी भारत के मोहम्मद दिलावर का प्रमुख योगदान माना गया हैं। मनुष्य और पशु पक्षियों के आत्मिक संबंध और जैव विविधता के दृष्टिगत भी इसके

संरक्षण को लेकर चिंता किया जाना आवश्यक हैं। गौरैया के विलुप्त होने के कारण पर यदि हम विचार करें तो हमें ज्ञात होता हैं कि वर्तमान समय में बनते हुए आधुनिक भवनों से गौरैया को घोसला बनाने की जगह नहीं मिल पाती हैं। दूसरा प्रमुख करण गौरैया को को अधिक तापमान सहन नहीं होता हैं। अतः शहरीकरण तथा बढ़ते प्रदूषण के कारण गौरैया को अपना स्थान बनाने में कठिनाई होती हैं। साथ ही मोबाइल टावरों से निकलने वाला रेडिएशन भी इनकी घटती संख्या के लिए जवाबदार माना जा सकता हैं। घटते जंगल तथा मांसाहारी जंतुओं के हमले के कारण उनकी संख्या में कमी आ रही हैं। गौरैया को घास मिट्टी का आंगन पसंद हैं, जो वर्तमान में विलुप्त होता जा रहा हैं। गौरैया के दाने पानी की व्यवस्था के लिए जनमानस जागरूक नहीं हैं। गोरिया को बचाने के उपाय की यदि हम बात करें तो जहां यह पक्षी घोंसला बनाता हैं। उसे हटाए नहीं, घरों की छतों पर दाने पानी की व्यवस्था रखें। घरों की छतों पर मटकी तथा अन्य व्यवस्थाएं रखें। जिससे वह घोंसला बना सके। हमें यह जानना और समझना होगा कि सामाजिक दृष्टि से लोकजीवन में पशु पक्षियों तथा मानव के उत्कृष्ट संबंधों और पर्यावरणीय संरक्षण की दृष्टि से भी गौरैया बचाना आज की आवश्यकता हैं। अतः संकल्प शक्ति के साथ छोटी सुंदर चिड़िया को पुनः हमारे धर आंगन में बुलाने हेतु सधन मुहिम की आवश्यकता हैं। इसके संरक्षण की जवाबदारी समाज और पर्यावरण कार्यकर्ताओं पर है।

-डॉ.कृष्ण कुमार जैन, नीमच
मानद जीव-जंतु कल्याण प्रतिनिधि भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय,भारत सरकार।

नशे की अंधेरी दुनिया में गुम होता नौजवान

नशा आजकल एक जनसंख्या की समस्या बन चुका है जिससे हर तरह के लोग प्रभावित हो रहे हैं, विशेषकर युवा वर्ग। यह समस्या समाज की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक बन चुकी है क्योंकि यह सिर्फ नशे के संभावित हानिकारक प्रभावों को ही नहीं लेकर आता है, बल्कि इससे अन्य सामाजिक, आर्थिक, और परिवारिक समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। नशा आमतौर पर या तो मनोरंजन के लिए या तनाव और दुख को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन,

इसके लाभ केवल समय के लिए होते हैं, और इसके बाद के परिणाम अत्यंत हानिकारक हो सकते हैं। नशे में धुत होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि परिवारिक प्रेसर, योजनाबद्धता की कमी, सामाजिक दूरी, आदि। युवा वर्ग नशे के प्रभाव में ज्यादा प्रभावित होता है क्योंकि वे अपने जीवन की पहली स्टेज में होते हैं और उन्हें अपने आप को ढूंढने और पहचान बनाने की प्रतीक्षा रहती है। इसलिए, वे अक्सर नशे को एक माध्यम के रूप में चुनते हैं जिससे उन्हें एक अस्थिर अनुभव मिलता है, लेकिन जो बाद में उनके जीवन को बड़े प्रभावित कर सकता है। नशे के प्रभावों का असर सबसे पहले शिक्षा और करियर पर होता है। नशे के चक्कर में युवा वर्ग अपने शैक्षिक और पेशेवर लक्ष्यों से दूर हटते हैं और अक्सर शिक्षा और करियर के महत्वपूर्ण मोमेंट को गंवा देते हैं। इसके अतिरिक्त, नशे के सेवन से उनका संबंध परिवार और सामाजिक समुदाय से भी दूर हो जाता है, जिससे उनका संबंध टूट सकता है और अकेलापन का अहसास हो सकता है। नशे की अंधेरी दुनिया में गुम होने वाले युवा वर्ग को सही मार्ग पर लाने के लिए समाज, परिवार, और सरकारी संस्थाएं सहयोग करने की आवश्यकता है। नशे के खिलाफ जागरूकता और शिक्षा को बढ़ावा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही, सामाजिक संगठनों और सरकारी नीतियों के माध्यम से नशे के प्रभावों को कम किया जा सके।

अमन सिंहः छात्र फार्मेसी विभाग
मंगलायतन विश्वविध्यालय , अलीगढ

माटीकला बोर्ड अध्यक्ष का स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

माटी कला बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रहलाद टांक का रविवार को राष्ट्रीय नाई महासभा के प्रदेश कार्यालय पर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय नाई महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सैन सरना ने बताया कि बैनाड़ रोड़ पर स्थित महासभा के प्रदेश कार्यालय पर पधारे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद टांक का पगड़ी बांधकर माला पहनाकर और तलवार भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय नारायणी धाम के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भगवान सहाय मीनावाला, राष्ट्रीय नाई महासभा के प्रधान महासचिव, रोहिताश सैन , प्रदेश महासचिव घनश्याम सैन धानोता,क्षोरकार समिति बैनाड़ रोड़ के महामंत्री, दिनेश सैन,उपाध्यक्ष, मनोज कुमार, उप महामंत्री बन्टी सैन, ललित किशोर सैन सहित अनेकों सामाजिक लोग उपस्थित थे।

यादव समाज सेवा समिति का उद्घाटन, बैठक सह कार्यकारिणी गठन समारोह आयोजित

मुंगेली. शाबाश इंडिया

यादव समाज सेवा, कला, संस्कृति एवं साहित्य उन्नयन समिति मुंगेली, छत्तीसगढ़ के द्वारा दिनांक 17 मार्च 2024 को साक्षी भवन में उद्घाटन, बैठक सह कार्यकारिणी गठन समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम विश्व गुरु प्रभु श्री कृष्ण जी की प्रतिमा पर पुष्पहार और श्रीफल अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई। समारोह का मंच संचालन और अध्यक्षता अशोक कुमार यादव के द्वारा किया गया। बैठक का उद्देश्य- यादव समाज के बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करना, समाज को स्वरोजगार और व्यापार की ओर अग्रसर करके जीवन स्तर को ऊपर उठाना आदि। सभी पदाधिकारियों को पुष्पहार और पुष्पगुच्छ भेंट कर तिलक लगाकर स्वागत और सम्मानित किया गया। सभी पदाधिकारियों ने यादव समाज के उन्नति और विकास के लिए अपना-अपना वक्तव्य प्रस्तुत किये। कवि पदाधिकारीयों ने काव्य पाठ किये। समिति के बैठक में कार्यकारिणी गठन किया गया जिसके पदाधिकारी- संस्थापक व अध्यक्ष अशोक कुमार यादव, सचिव प्रकाश यादव, संरक्षक संतोष कुमार यादव, संरक्षक सहोरिक यादव, सलाहकार रामभरोस यादव, उपाध्यक्ष सुखसेन यादव, सहसचिव गोलूराम यादव, सभापति हरीश यादव, उपसभापति आल्हा यादव, प्रचार मंत्री योगेश यादव, सह कोषाध्यक्ष तिलकराज यादव, सह कोषाध्यक्ष छल्लूराम यादव, संगठन मंत्री धनराज यादव, प्रचार मंत्री विरेन्द्र यादव, मंत्री जितेन्द्र यादव, संगठन मंत्री राममिलन यादव, संयोजक विजय कुमार यादव, सहसंयोजक सतानंद यादव, प्रवक्ता द्वारिका यादव, मीडिया प्रभारी दिलेश्वर यादव, युवा शक्ति केंद्र संयोजक राजाराम यादव, सहसंयोजक बेदराम यादव, कार्यकारिणी सदस्य गौतम यादव, श्रीराम यादव, राकेश यादव, विकास यादव को बनाया गया। आभार प्रदर्शन अध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने किये।

वैश्य महासम्मेलन तहसील अंबाह कार्यकारिणी का गठन

विजय गुप्ता बने अध्यक्ष

अंबाह. शाबाश इंडिया। वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश शासन के पूर्व गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता के निदेर्शानुसार एवं संभागीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल की सहमति से तहसील अंबाह की कार्यकारिणी का गठन किया गया हैं। कार्यकारिणी में विजय गुप्ता गंज अध्यक्ष, संतोष वर्मा पूर्व पार्षद महामंत्री, संजय जैन कोषाध्यक्ष एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन, बच्चू लाल गुप्ता, आनंद गुप्ता, दिनेश बंसल को संरक्षक, उमेश जैन, विमल जैन राजू, संजीव जैन, हरेंद्र गुप्ता, साधू राठौर, उमेश गुप्ता को उपाध्यक्ष, दिनेश कुमार जैन, संजय गुप्ता, सुबोध गुप्ता, नीलेश कुमार जैन को सह सचिव, शैलेंद्र कुमार गुप्ता, सौरभ अग्रवाल, रामसेवक राठौर, नीरज गुप्ता को प्रचार मंत्री, अजय जैन सराफ,नीलेश गुप्ता को कार्यालय मंत्री, दिनेश गुप्ता, पंकज वर्मा को सदस्यता अभियान प्रमुख, अरविंद जैन, भारत वर्मा, सुशील गुप्ता, महेश कुमार जैन, राजीव कुमार गुप्ता को विभिन्न कार्यक्रम प्रभारी, अशोक कुमार जैन, जगदीश अग्रवाल, चंद्र मोहन मालपानी, वीरेंद्र वर्मा, बीडी गोयल, विवेक गर्ग, अंकित जैन, आनंद जैन को वरिष्ठ सम्मानित सदस्य नियुक्त किया गया हैं।

अष्टांहिका पर्व मे अहिंसा रेली निकाल दिया विश्वशांति का अभिनव संदेश

डडूका. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन पाठशाला डडूका के 22 बच्चों ने पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया के नेतृत्व मे अष्टांहिका पर्व के शुभारंभ पर जैन चबूतरा होली चौक से जैन नसियाजी डडूका तक अहिंसा रैली निकाल विश्व शांति स्थापना मे सहयोग का अभिनव संदेश दिया। रैली नसियाजी जाकर मुनि श्री अजीत सागरजी महाराज की समाधि पर धर्म सभा में बदली। सभा की अध्यक्षता महीपाल सेठ ने की, मुख्य अतिथि मनोज एस शाह थे। विशिष्ठ अतिथि श्रीमती कुसुम कोठिया एवं मोनिका शाह थी। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने रैली मे हिस्सा लेने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा की अहिंसा हमारी सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत है और बच्चो मे अहिंसा के भाव बचपन से ही प्रेरित हो इसी भाव से ऐसी रैली आयोजित की गई हैं। बच्चो ने जिनवाणी स्तुति कर विश्वशांति की कामना की। मनोज एस शाह मे पाठशाला के नवाचारों की सराहना करते हुए आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सूचनाएं दी। आयोजन मे अशोक कांतिलाल शाह, दिपेश जैन, सुधीर सेठ, निवेश वस्तुपाल शाह, हितेश चंद्रपाल जैन, रितेश राजमल शाह तथा भूपेंद्र कांतिलाल शाह ने सक्रिय सहयोग दिया। राजेन्द्र कोठिया, महावीर जैन, योगेश शाह, रीतेश शाह, अंकित डी शाह ने बच्चो के लिऐ पाठशाला द्वारा आयोजित रचनात्मक कार्यों की सराहना की। आयोजन का संचालन अजीत कोठिया ने किया, आभार छात्र संघ प्रधानमंत्री रीयल जैन तथा हर्षल जैन ने व्यक्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

देवेन्द्र कुमार जैन को पीएचडी उपाधि

उदयपुर. शाबाश इंडिया। साई तिरूपति विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार देवेन्द्र कुमार जैन को कानपुर के विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। जैन ने स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों में रोगी संतुष्टि में सुधार के लिए 'प्रौद्योगिकी एवं नवाचार की भूमिका की खोज - दक्षिणी राजस्थान का अध्ययन' विषय पर शोध किया। इस शोध के माध्यम से इन्होंने आज के युग में रोगी संबंधी समस्याओं के निवारण हेतु प्रौद्योगिकी माध्यमों के सही इस्तेमाल पर जोर दिया।

भैंसलाना से खाटूश्यामजी की पैदलयात्रा रवाना

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। खाटू वाले बाबा श्याम के दरबार खाटूश्याम जी में चल रहे लख्खी मेले में रोजाना लाखो भक्त दर्शन कर रहे हैं जगह जगह से पैदल यात्री पहुंच रहे हैं।सोमवार को भैंसलाना से खाटूश्याम जी की 28 वीं विशाल पदयात्रा बाजार वाले शंकर भगवान के मंदिर से रवाना हुई।श्री श्याम मित्र मंडल के सदस्य सत्यनारायण योगी ने बताया की सोमवार को भैंसलाना से खाटूश्याम जी के लिए पैदल यात्रा रवाना हुए। बाबा की झांकी का श्रृंगार विपीन योगी,रोहित कुमार शर्मा,विष्णु शर्मा,राजेश शर्मा आदि द्वारा किया गया। सुबह बाबा के निशान की पूजा अर्चना कर फूलो की होली खेलते हुए पैदलयात्रा शुरू हुए। पैदल यात्रा में सैकड़ों ग्रामीण हाथो में बाबा के ध्वज लिए जय श्री श्याम के जयकारों और बाबा श्याम के भजनों पर झूमते हुए नजर आए।इस दौरान अशोक लड्ढा, ब्रजमोहन शर्मा, राजेश सुंदरियां, शंकर नवहाल,केशाराम ऐचरा,महेश शर्मा चोसला,कृष्ण पुजारी, मदन दरोगा आदि मौजूद रहे।

दिगंबर जैन पलासिया महिला मंडल का शपथ समारोह संपन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया। 40 वर्ष पूर्व स्थापित दिगंबर जैन पलासिया महिला मंडल की शपथ विधि रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुई। शपथ विधि अधिकारी श्रीमती पुष्पा पंड्या ने नवनिर्वाचित अध्यक्षा श्रीमती सुमन जैन, सचिव उमा अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती सारिका कासलीवाल को शपथ दिलाई। साथ ही अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी ने भी शपथ ली। सभी ने वर्तमान शासक नायक महावीर भगवान के बताए मार्ग पर चलने एवं साथ ही ग्रीष्म ऋतू में पंछियों के लिए दाना पानी रखने का भी संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में श्रीमती विजया पहाड़िया, मंजू अजमेरा एवं महिला मंडल के अन्य गणमान्य जन भी उपस्थित थे।

नवीन जैन के राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर अभिनन्दन समारोह

आगरा. शाबाश इंडिया। आगरा दिगम्बर जैन परिषद एवं श्री दिगम्बर जैन शिक्षा समिति एव सकल जैन समाज आगरा के संयुक्त तत्वावधान में नवीन जैन के राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर अभिनन्दन समारोह का आयोजन सोमवार को आचार्य शान्तिसागर सभागार अहिंसा चौक, हरीपर्वत आगरा पर अपार जन समूह के मध्य किया गया। भगवान महावीर के जयकारों के मध्य अपार जन समूह ने अपने नवीन जैन के राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर अभिनन्दन कर समाज की एकता का परिचय दिया। सर्वप्रथम ज्ञानदीप प्रज्जवलन प्रदीप जैन पी. एन.सी.परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन, हीरालाल बैनाडा, राकेश जैन परचे वाले, पारस बाबू जैन, सुनील जैन ठेकेदार,आशीष जैन मोनू द्वारा संयुक्त रूप से किया गयो तत्पश्चात महिला मण्डल की बालिकाओं द्वारा स्वागत पृत्य प्रस्तुत किया गया। नवीन जैन के मंच पर पहुँचने पर पूरा वातावरण तालियों की करतल ध्वनि से गुजायमान हो गया। सर्वप्रथम आगरा विगम्बर जैन परिषद के सुनील जैन ठेकेदार, शिक्षा समिति के अर्थमंत्री पुष्पेन्द्र जैन पथिक ने साफा पहनाकर व शॉल उड़ाकर राज्यसभा सांसद नवीन जैन का सम्मान किया।

''राजस्थान गौरव'' सम्मान से 31 विभूतियां अलंकृत

प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। गरिमापूर्ण व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व : कलराज मिश्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

''संस्कृति युवा संस्था'' की ओर से प्रदेश का सबसे प्रतिष्ठित और 30 वर्ष से अनवरत आयोजित हो रहे राजस्थान गौरव सम्मान समारोह आज अपनी पूर्ण भव्यता के साथ होटल आईटीसी राजपूताना शेरेटन में आयोजित हुआ। जिसमें प्रदेश की 31 लब्ध प्रतिष्ठित प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' के अलंकरण से विभूषित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल माननीय कलराज मिश्र ने कहा कि प्रदेश की विभूतियों को सम्मानित करना अपने आप में एक अतुलनीय कार्य है और संस्कृति युवा संस्था पिछले 30 वर्षों से राजस्थान की विभिन्न प्रतिभाओं को गरिमापूर्ण तरीके से ''राजस्थान गौरव'' के अलंकरण से विभूषित कर रही है। ये अपने आप में एक अनूठा कार्य है। उन्होने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का दायित्व युवाओं पर है और जिन्हे आज सम्मानित किया गया है ये सब प्रतिभायें राजस्थान का नाम रौशन कर रही है। इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व हैं और इस प्रकार के आयोजनों में ऐसी प्रतिभाओं जो प्रदेश में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत में राजस्थान का नाम रौशन कर रही हैं वे भी प्रोत्साहित होगी और उनके पद चिन्हों पर चलकर युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलेगा। मिश्रा ने कहा कि राजस्थान की परम्परा में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाली कर्मभूमि रही हैं और राजस्थान गौरव से सम्मानित हो रही प्रतिभाओं ने जो प्रदेश का नाम रौशन किया हैं उससे सम्पूर्ण प्रदेश गौरवान्वित है। प्रधान संरक्षक एडवोकेट एच.सी. गणेशिया ने संस्कृति द्वारा किये जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्कृति द्वारा देश के युवाओं को भारतीय संस्कृति की तरफ पुनः आकर्षित करने के लिए जो प्रयास किये जा रहे हैं वे सराहनीय हैं और युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति का मोह छोड भारतीय संस्कृति का संवाहक बनना चाहिए। संस्था की गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक सौम्यता मिश्रा ने बताया कि संस्था देश की सबसे बडी मैराथन का आयोजन पिछले 15 वर्षो से अनवरत जारी है। जिसमें देश विदेश के धावक भाग लेते है। इस बार की मैराथन में एक लाख 25 हजार धावकों ने भाग लिया जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसके अतिरिक्त देश विदेश की प्रतिभाओं को लंदन की पार्लियामेंट, फ्रांस की सीनेट और अमेरिका के यूनाइटेड नेशन में संस्कृति युवा संस्था भारत गौरव सम्मान का आयोजन कर रही है। साथ ही नव संवत्सर का स्वागत, वर्ल्ड हैल्थ फेस्टिवल, नववर्ष की शुरूआत दारू नहीं दूध से करें जैसे अभियान पिछले 30 वर्षों से अनवरत जारी है। संस्था के संरक्षक गोविन्द पारीक ने जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान गौरव सम्मान समारोह समिति ने 30 वर्षों के सभी चयनों में पारदर्शिता अपनाई है। इस अवसर पर राजस्थान गौरव से मनाया 31 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया हैं। इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी, एस.के. फाइनेंस के डायरेक्टर यश सेतिया, महावीर कैंसर चिकित्सालय की चेयरपर्सन अनिला कोठारी, भारतीय पुलिस सेवा के डीजी क्राईम राजीव कुमार शर्मा, घुड़सवार एवं स्वर्ण पदक विजेता सुश्री दिव्या कृति सिंह राठौड़, वैल्यूअर फेब टैक्स प्रा.लि. के डायरेक्टर हर्ष पी चमारिया, राष्ट्रदूत से राजेश शर्मा, राज्य प्रशासनिक सेवा से योगेश कुमार श्रीवास्तव, योग के क्षेत्र से शत्रुघ्न सिंह, चीफ ज्यूडिशियल मजिस्टेज्ड गुंजन गोयल, समाज सेवा से राजेश जैन, चिकित्सा से डॉ. कृष्ण गोपाल कुमावत, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष फार्माकोलॉजी डॉ. प्रियंका कुमावत, खाटू श्याम मंदिर के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान, दैनिक नवज्योति के संपादक हर्ष चौधरी, रूंगटा हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रासबिहारी रूंगटा, दैनिक भास्कर से आलोक खंडेलवाल, राजस्थान पत्रिका से हर्षित जैन, समाज सेवा से रतन कुमार रूंगटा, उद्योगपति एवं गौसेवक शंकर कुलेरिया, फस्ट इंडिया से सुश्री श्वेता मिश्रा, जी राजस्थान न्यूज से काशीराम चौधरी, थेवा कला से पवन राजसोनी, मूर्तिकार राजकुमार पंडित, आर्ट से अंशुल जैन, डेल्टा ऑटो कॉर्प प्रा.लि. के फाउंडर एण्ड सीईओ अंकित अग्रवाल, समाज सेवा से नरेश कुमार कौशिक, अस्तित्व उड़ान की संस्थापिका अनीता मीना, चिकित्सा से डॉ. अनुभूति भारद्वाज, समाज सेवा से सेवा आचार्य भरत नागदा, बैंकिंग क्षेत्र से नरेन्द्र सिंह शेखावत को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, दुपट्टा देकर सम्मानित किया गया।